भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †42

सोमवार, 25 नवंबर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वर्ण मंदिर क्षेत्र का पुनर्विकास

†42. श्री गुरजीत सिंह औजला:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का प्रस्ताव वाराणसी के विकास के लिए आवंटित विशेष अनुदान की तर्ज पर अमृतसर में स्वर्ण मंदिर क्षेत्र के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण के लिए स्वर्ण मंदिर क्षेत्र को रोपवे, कैप्सूल लिफ्ट और पर्याप्त पार्किंग अवसंरचना जैसी विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए विशेष अनुदान देने का है, जहां प्रतिदिन अनुमानित 150,000 पर्यटक आते हैं, क्योंकि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बहुत लाभ होगा और पर्यटकों की संतुष्टि में सुधार होगा;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास इस संबंध में कोई योजना या चर्चा है अथवा वह अमृतसर के लिए ऐसी किसी पहल को प्राथमिकता देने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) और 'स्वदेश दर्शन' की अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजना के माध्यम से राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना के विकास में सहयोग देता है।

मंत्रालय ने अपनी प्रशाद योजना के तहत क्रमशः 6.40 करोड़ रु. और 31.57 करोड़ रु. की लागत वाली 'अमृतसर में करुणासागर वाल्मीकि स्थल का विकास' और 'चमकौर साहिब का विकास' नामक 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और पंजाब में विकास के लिए अमृतसर जिले के 'दुर्गियाना मंदिर' नामक एक स्थल को चिह्नित किया गया है।

इसके अलावा, स्वदेश दर्शन योजना के तहत, मंत्रालय ने पंजाब में 85.32 करोड़ रु. की लागत वाली 'आनंदपुर साहिब - फतेहगढ़ साहिब - चमकौर साहिब - फिरोजपुर - खटकर कलां - कलानौर- पटियाला' का विकास नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है और स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत क्रमशः 25.90 करोड़ रु. और 20.06 करोड़ रु. की लागत वाली अमृतसर में 'अटारी में सीमा पर्यटन अनुभव' और कपूरथला में 'कंजलीवेटलैंड में इको पर्यटन अनुभव' नामक 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

इसके अलावा, फिरोजपुर (हुसैनीवाला सीमा) और रूपनगर (आनंदपुर साहिब) नामक 2 गंतव्यों की पहचान स्वदेश दर्शन 2.0 की एक उप-योजना, चुनौती आधारित गंतव्य विकास के तहत की गई है।

*****